

# Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR



## News

### ✿ 18-Day online summer Camp (30th May- 18th June) (ISKCON, Punjabi Bagh)

After the offline camp by Hare Krishna Sunday school for 70 kids, wherein the participants were taught dance, Vedic maths, yoga, Bhagavatam stories, sloka learning, etc, an eighteen-day online camp was organized for children of 7-15 years of age on the theme of Bhagavad Gita. The sessions were designed to present a summary of each chapter of Bhagavad-Gita to 120 student participants in the form of stories along with life lessons, sloka learning, and practical activities. A certificate was provided to all the participants who completed the camp successfully.



## समाचार

### ✿ 18-दिवसीय सजीव प्रसारित ग्रीष्मकालीन शिविर (30 मई- 18 जून) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

हरे कृष्ण रविवारीय विद्यालय द्वारा 70 बालकों हेतु ऑफलाइन शिविर के उपरांत, जिसमें प्रतिभागियों को नृत्य, वैदिक गणित, योग, भागवतम की कथाएँ, श्लोक स्मरण आदि सिखाया गया, 7-15 वर्ष की आयु के बच्चों हेतु, भगवद गीता के विषय पर अठारह दिवसीय ऑनलाइन शिविर का आयोजन किया गया। सत्र 120 छात्र प्रतिभागियों को भगवद-गीता के प्रत्येक अध्याय का सारांश प्रस्तुत करने हेतु जीवन की शिक्षायें, श्लोक कंठस्थीकरण और व्यावहारिक गतिविधियों के साथ कहानियों के रूप में प्रस्तुत करने हेतु डिज़ाइन किए गए थे। शिविर को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

### ✿ वाराणसी यात्रा (4-7 जून) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

वाराणसी के लिए एक यात्रा का आयोजन किया गया था और लगभग 300 भक्तों ने दिल्ली से वंदे भारत ट्रेन में यात्रा करते हुए पुस्तक वितरण किया और यात्रा के समय संकीर्तन किया। 4 दिवसीय यात्रा में, भक्तों ने काशी विश्वनाथ मंदिर, दशा-अश्वमेध घाट, इस्कॉन वाराणसी, बिंदु माधव मंदिर और तुलसी मानस मंदिर में दर्शन किये। पूरे यात्रा के अंतर्गत अद्भुत एवं आकर्षक, सार्वजनिक संकीर्तन आयोजित किए गए। यह यात्रा भक्तों के लिए भगवान और भक्ति के विषय में श्रवण तथा वार्ता में स्वयं को लीन करने हेतु एक महान अवसर के रूप में भी प्रभावी रही।



## 🌸 **Varanasi Trip (4-7th June)** (ISKCON, Punjabi Bagh)

A yatra to Varanasi was organized and almost 300 devotees traveled from Delhi in the Vande Bharat train distributing books and holding Sankirtan all along while traveling. During the 4-day yatra, devotees traveled to Kashi Vishwanath temple, Dasa-ashmedha Ghat, ISKCON Varanasi, Bindu Madhav temple, and Tulasi Manas Mandir. Enchanting and engaging public sankirtans were held throughout the trip. The trip also served as a great opportunity for devotees to absorb themselves in hearing and discussions about the Lord and devotional service.

## 🌸 **Holistic Development of Children Seminar** (10th & 13th June) (ISKCON, Punjabi Bagh)

What is the best gift that we can give to our children as parents, teachers, and well-wishers? How do we raise them so that they grow as individuals of high character, and devotional qualities? A 2-day session was organized on "Art of Krishna conscious Parenting" by H.G. Arudha Mataji. She has home-schooled her two sons on the principles of Srimad Bhagavatam, who then went on to complete their PhDs from Oxford University at the young age of 21. She shared very insightful, relevant lessons and experiences from her own life with the audience of 40 young. She has authored five books that are aiding parents all over the world in teaching Srimad Bhagavatam to kids in a way that is fun, engaging, intellectually stimulating, and empowers them in powerful life lessons. The recordings of the seminars are available on ISKCON Punjabi Bagh YouTube Channel.



## 🌸 **Pandava Nirjala Ekadashi (11th June)**

Pandava Nirjala Ekadashi or Bhima Ekadashi was celebrated on 11th June. Although all Ekadashis are powerful days for seeking mercy through devotional activities, Pandava Nirjala Ekadashi is considered particularly potent. Falling in the month of Jyestha, the hottest month in India, this was observed by even Bhima, who was a voracious eater. Some scriptures state that observing this particular Ekadashi gives the fruits of observing all 24 Ekadashis of the year. Devotees chanted, read, heard and immersed their consciousness in the remembrance of the Lord. The 24-hour kirtan aided devotees in benefitting from the sankirtan of the Lord's holy names.



## 🌸 **बालकों के समग्र विकास पर संगोष्ठी (10 और 13 जून)** (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

माता-पिता, शिक्षक एवं शुभचिंतक के रूप में हम अपने बच्चों को सबसे अच्छा उपहार क्या दे सकते हैं ? हम उनका पालन-पोषण कैसे करें ताकि वे उच्च चरित्र और भक्तिपरक गुणों वाले व्यक्तियों के रूप में विकसित हों ? श्रीमति अरुद्धा माताजी द्वारा "कृष्ण भावनाभावित पालन-पोषण की कला" पर 2 दिवसीय सत्र का आयोजन किया गया। उन्होंने श्रीमद् भागवतम के सिद्धांतों पर अपने दो बेटों को घर पर ही पढ़ाया, जिन्होंने 21 साल की छोटी उम्र में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से अपनी पीएचडी पूरी की है। उन्होंने 40 युवा दर्शकों के साथ अपने जीवन से बहुत ही व्यावहारिक, प्रासंगिक शिक्षाएं एवं अनुभव साझा किए। उन्होंने पांच किताबें लिखी हैं जो संसार भर के माता-पिताओं में बच्चों को श्रीमद्भागवतम सिखाने में इस प्रकार सहायता कर रही हैं जो आनंदायक, आकर्षक, बौद्धिक रूप से प्रेरणादायक हैं और उन्हें शक्तिशाली जीवन की शिक्षाओं में सशक्त बनाती हैं। संगोष्ठियों की रिकॉर्डिंग इस्कॉन पंजाबी बाग यूट्यूब चैनल पर भी उपलब्ध है।

## 🌸 **पांडव निर्जला एकादशी (11 जून)**

पांडव निर्जला एकादशी या भीम एकादशी 11 जून को मनाई गई थी। यद्यपि सभी एकादशीयां भक्ति के माध्यम से भगवद कृपा प्राप्ति हेतु सशक्त दिवस हैं, किन्तु पांडव निर्जला एकादशी विशेष फलप्रद मानी जाती है। ज्येष्ठ मास, जो कि भारत में सबसे गर्म महीना होता है, में पड़ने वाली इस एकादशी का व्रत भीम ने रखा था, जो कि वृकोदर अर्थात् अत्यधिक भोजन करने वाले थे। कुछ शास्त्रों में उल्लेखित है कि इस विशेष एकादशी के व्रत पालन से वर्ष की सभी 24 एकादशियों के व्रत पालन का फल मिलता है। भक्तों ने नामजप किया, अध्ययन किया, श्रवण किया और अपनी चेतना को भगवान के स्मरण में निमग्न कर लिया। 24 घंटे के कीर्तन ने भक्तों को भगवान के पवित्र नामों के संकीर्तन से लाभान्वित करने में सहायता प्रदान की।

✿ **Panihati Cida-Dahi Festival (12th June)**  
(Namahatta, ISKCON East of Kailash)

Lord Nityananda showed immense mercy by engaging Srila Raghunatha Dasa Goswami, in the service of Vaishnavas. Feeding cida-dahi to the devotees and associates of Lord Nityananda, at Panihati, Raghunatha Dasa Goswami, pleased Mahaprabhu. This festival was celebrated in the Food Plaza of Sri Sri Radha Parthasarathi Temple, East of Kailash. Organised by the Namahatta team, Their Lordships were offered various variants: mango, banana etc. of cida-dahi. The children of Vaikuntha Fun School, enacted a drama based on the life of Srila Raghunatha Dasa Goswami. Thousands of devotees partook of the delicious and sublime cida-dahi, reminiscing the pastime, begging for the mercy of Nitai Gaurasundar. Transcendental kirtan echoed in all directions.

✿ **Art of Parenting (12th June, 2022)**  
(ISKCON, Dwarka)

A very special seminar titled "Art of Parenting" was organized especially for Grihastha devotees and devotees who are desirous to have Krishna conscious environment around their children. The speaker for the program was H.G. Aruddha Mataji, a world-renowned parenting guide in Krishna consciousness. Mataji was kind enough to give valuable lessons to all Dwarka devotees in a short span of time. Many devotees got inspired by her very instructive lessons regarding parenting.

✿ **Amritotsava Festival for life members (12th June)**  
(ISKCON Girls Forum, East of Kailash)

A program was organised for donors and life members in the auditorium of Sri Sri Radha Prathasarathi Temple, East of Kailash. This was to honour and pay respects to those who help and facilitate the maintenance of the temple, so that all the services to the deities and devotees, go on seamlessly. The program consisted of a discourse and drama based on the story of the Syamantak jewel. The girls of IGF along with the congregation devotees, participated in the program. A rock show of the Mahamantra enchanted the audience. The cultural extravaganza was followed by delicious, sumptuous prasadam.



✿ **पाणिहाटि दही-चीड़ा महोत्सव (12 जून)**  
(नामहट्ट, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश)

भगवान नित्यानंद ने श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी को वैष्णवों की सेवा में संलग्न कर अपार दया दिखाई। पाणिहाटि में भगवान नित्यानंद के भक्तों एवं पार्षदों को दही-चीड़ा खिलाकर, रघुनाथ दास गोस्वामी ने महाप्रभु को प्रसन्न किया। इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश में श्री श्री राधा पार्थसारथी मंदिर के प्रसादम प्रांगण में यह उत्सव मनाया गया। नामहट्ट समूह द्वारा आयोजित उत्सव में, परम भगवान को दही-चीड़ा के विभिन्न व्यंजन आम, केला आदि अर्पित किए गए। वैकुण्ठानन्द विद्यालय के बच्चों ने श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी के जीवन पर आधारित नाटिका का मंचन किया। हजारों भक्तों ने नितलाई गौरसुंदर की दया की भीख माँगते हुए एवं लीला का स्मरण करते हुए, स्वादिष्ट और उदात्त दही-चीड़ा उत्सव का आनंद लिया। दिव्य नाम संकीर्तन सभी दिशाओं में गूँज उठा।

✿ **पालन-पोषण की कला (12 जून, 2022)**  
(इस्कॉन, द्वारका)

गृहस्थ भक्तों एवं विशेष रूप से उन भक्तों हेतु जो अपने बच्चों के आसपास कृष्ण भावनाभावित वातावरण चाहते हैं "आर्ट ऑफ पेरेंटिंग" नामक एक बहुत ही विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम की वक्ता, कृष्ण भावनामृत में विश्व प्रसिद्ध अभिभावक मार्गदर्शक श्रीमती अरुद्धा माताजी थीं। माताजी ने बहुत कम समय में द्वारका के सभी भक्तों को बहुमूल्य शिक्षा दी। पालन-पोषण के संबंध में उनके बहुत ही शिक्षाप्रद पाठों से कई भक्तों को प्रेरणा मिली।

✿ **आजीवन सदस्यों हेतु अमृतोत्सव (12 जून)**  
(इस्कॉन बलिका मंच, ईस्ट ऑफ कैलाश)

ईस्ट ऑफ कैलाश के श्री श्री राधा पार्थसारथी मंदिर के सभागार में दानदाताओं एवं आजीवन सदस्यों हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह उन लोगों का सम्मान और सत्कार करना था जो मंदिर के संरक्षण हेतु सहायता एवं सुविधा प्रदान करते हैं, ताकि भगवद विग्रहों और भक्तों की सभी सेवाएं निर्बाध रूप से चलती रहें। कार्यक्रम में समंतक मणि की कथा पर आधारित प्रवचन और नाटक शामिल था। कार्यक्रम में भक्त मण्डली के भक्तों के साथ आईजीएफ की छात्राओं ने भी भाग लिया। महामंत्र के रॉक-शो ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक उत्सव के बाद स्वादिष्ट, भव्य प्रसादम का आयोजन किया गया।

✿ **युवाओं का हरिद्वार, मायापुर और जगन्नाथ पुरी का अभियान (13-27 जून)**  
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन युवा मंच (आईवाईएफ) ने "धृति- अभ्यास हेतु संकल्पित" विषय पर 13-27 जून तक हरिद्वार में 40 युवाओं हेतु एक आध्यात्मिक अभियान का आयोजन किया। शिविर ने प्रतिभागियों को स्वस्थ उत्पादक अभ्यास, कौशल विकास, आध्यात्मिक ज्ञान को आत्मसात करने एवं दृढ़ मित्र बनाने हेतु एक उन्नत आध्यात्मिक वातावरण प्रदान किया। शिविर में एक दिन में प्रार्थना एवं ध्यान की नियमित दैनिक दिनचर्या, खुली वार्ताओं के साथ दर्शन की कक्षा, योग सत्र, समूह निर्माण पर खेल, गंगा स्नान और आस-पास के स्थानों का एक लघु भ्रमण शामिल था। प्रतिभागियों ने विभिन्न वैष्णव संप्रदायों के मंदिरों में भी दर्शन किया ताकि उनकी शिक्षा और दृष्टि को बढ़ाया जा सके।

✿ **इस्कॉन छतरपुर में स्नान यात्रा (14 जून)**

छतरपुर में एक विस्तृत स्नान यात्रा का आयोजन किया गया। समारोह में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कीर्तन एवं वैदिक मंत्रोच्चार से वातावरण भर गया। उल्लासित भक्तों ने नृत्य एवं गायन किया। भगवान को 56 भोग अर्पित किए गए। भव्य प्रसाद का वितरण

## ✿ Youth's expedition to Haridwar, Mayapur and Jagannatha Puri (13th – 27th June) (ISKCON, Punjabi Bagh)

ISKCON Youth Forum (IYF) organized a spiritual expedition for 40 youths to Haridwar from 13-27th June on a focussed theme of "DHRITI- Determined to practice." The camp provided an uplifting spiritual environment to participants for integrating healthy productive habits, skill development, imbibing spiritual wisdom, and creating stronger friendships. A day in camp would consist of a consistent daily morning routine of prayers and meditation, philosophy class with open discussions, yoga sessions, games on team building, a Ganga bath, and a short tour to nearby places. The participants also made visits to the temples of different Vaishnava sampradayas to enhance their learning and visions.

## ✿ Snana Yatra at ISKCON Chhatarpur (14th June)

An elaborate Snana yatra was organized at Chhatarpur. Hundreds of devotees attended the ceremony. Kirtan, Vedic chants filled the atmosphere. Jubilant devotees danced and sang along. 56 bhoga was offered to Their Lordships. Sumptuous prasadam was distributed and partaken. The attendees were addressed by H.G. Mohan Rupa Prabhu, who retold the story of the appearance of the Lord.

## ✿ Glorifying Krishna through Bharatanatyam (15th June) (ISKCON, Punjabi Bagh)

Various dance forms have always been an integral part of Vedic culture. They have been used to develop the finer sentiments of civilization by depicting various presentations of Krishna's pastimes in his various forms. IGF launched Bharatanatyam classes for all those who wish to learn this form of classical dance. There will be 8 classes every month at Srila Prabhupada Bhawan, ISKCON Punjabi Bagh. The classes are being taken by Pragati Wahi (Prabhakaran in Bharatanatyam), Femina Miss India 2019, Delhi finalist, and Miss Talented winner. For more information, contact: +91-9560961397.



किया गया और सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। उपस्थित लोगों को श्रीमान मोहन रूप प्रभु ने संबोधित किया, जिन्होंने भगवान के प्राकट्य की लीला को दोहराया।

## ✿ भरतनाट्यम के माध्यम से कृष्ण का महिमा मंडन (15 जून) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

विभिन्न नृत्य प्रारूप सदा से वैदिक संस्कृति का अभिन्न अंग रहे हैं। इनका उपयोग कृष्ण की लीलाओं की विभिन्न प्रस्तुतियों को उनके विभिन्न रूपों में चित्रित करके सभ्यता की सूक्ष्म भावनाओं को विकसित करने हेतु किया गया है। आई जी एफ ने शास्त्रीय नृत्य के इस प्रारूप को सीखने की लालसा रखने वाले सभी लोगों हेतु भरतनाट्यम की कक्षाएं शुरू की हैं। श्रील प्रभुपाद भवन, इस्कॉन पंजाबी बाग में हर महीने 8 कक्षाएं होंगी। कक्षाएं प्रगति वाही (भरतनाट्यम में प्रभाकर), फेमिना मिस इंडिया 2019, दिल्ली फाइनलिस्ट और मिस टैलेंटेड विजेता द्वारा ली जा रही हैं। अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें: +91-9560961397

## ✿ पितृ दिवस उत्सव (19 जून, 2022) (इस्कॉन, द्वारका)

इस उत्सव का उद्देश्य यह था कि वर्तमान युवा पीढ़ी कैसे अपने पिता के साथ अपने सुंदर संबंध का उत्सव मना सकती है और उन्हें कालातीत विधि से सम्मानित कर सकती है जो वर्तमान युग में नष्ट प्रायः होता जा रहा है। इसका सम्पूर्ण उद्देश्य इस सुंदर संबंध हेतु कृतज्ञता की भावना विकसित करना था। भक्तों ने कृष्णभावनामृत में अपने पिता की उन्नति हेतु भगवान से प्रार्थना की। कई लोगों ने मंदिर निर्माण सेवा में योगदान देकर अपने पिता के लिए एक कालातीत उपहार भेंट किया।

## ✿ हरिनाम संकीर्तन, (20 जून, 2022) (इस्कॉन, द्वारका)

इस्कॉन द्वारका मंदिर ने द्वारका में हरिनाम संकीर्तन का आयोजन कर भारतीय व्हीलचेयर क्रिकेट प्रीमियर लीग का स्वागत किया। संकीर्तन यात्रा मंदिर से राजापुरी चौक, द्वारका सेक्टर-5 तक पहुँची, जिसका समापन बाल भवन इंटरनेशनल स्कूल द्वारका सेक्टर 12 में हुआ। क्रिकेट लीग के लिए इस्कॉन द्वारका द्वारा प्रसादम प्रदान किया गया।

✿ **Father day celebration (19th June, 2022)**  
(ISKCON, Dwarka)

The aim of this celebration was to how can the current young generation celebrate the beautiful bond with their father and honor them in a timeless way which is getting diminished in the current era. The whole aim was to develop a sense of gratitude for this beautiful relationship. Devotees prayed lordships for their father for advancement in Krishna consciousness. Many people donated a timeless gift for their father by contributing to the temple construction service.

✿ **Harinama Sankirtan, (20th June, 2022)**  
(ISKCON, Dwarka)

ISKCON Dwarka welcomed the Indian wheelchair cricket premier league by organizing harinama sankirtan in Dwarka. The sankirtan procession went from the temple to Rajapuri chowk, Dwarka sec-5 concluding at Bal Bhavan international school Dwarka sector 12. Prasadam for the cricket league is being provided by ISKCON Dwarka.



✿ **Altar Renovation Work**  
(ISKCON, Punjabi Bagh)

After more than a decade, the altar of Sri Sri Radha Radhika Raman, Sri Sri Krsna Balarama and Jagannatha, Baladeva, and Subhadra Maharani at ISKCON Punjabi Bagh is undergoing a 1major renovation. As part of the process, the deities have been moved to a temporary space within the hall on the left side of the altar. While the renovation of the altar will take a few weeks, devotees at the temple are relishing the opportunity to have darshans of the deities up close. This is serving as a great opportunity for more and more devotees to visit more often and look at the forms of the lordships in more detail. The renovation is also an opportunity for many devotees to donate and contribute to the construction of the rooms for their Lordships. For making any contribution toward building a new altar of their Lordships, contact +91-9760072900.

✿ **Disappearance day of Srila Bhaktivinoda Thakura**  
(28th June)

Srila Bhaktivinoda Thakura is referred to as the seventh Goswami. He is monumental in re-establishing the principles



✿ **वेदी नवीनीकरण कार्य**  
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

एक दशक से भी अधिक समयोपरांत, इस्कॉन पंजाबी बाग में श्री श्री राधा राधिका रमण, श्री श्री कृष्ण बलराम और जगन्नाथ, बलदेव एवं बहन सुभद्रा महारानी की वेदी का प्रमुख नवीनीकरण किया जा रहा है। प्रक्रिया के भाग के रूप में, भगवद विग्रहों को वेदी के बाईं ओर हॉल के भीतर एक अस्थायी स्थान पर ले जाया गया है। जबकि वेदी के जीर्णोद्धार में कुछ सप्ताह लगेंगे, वहीं मंदिर के भक्त विग्रहों के निकट से दर्शन करने के अवसर का आनंद ले रहे हैं। यह अधिक से अधिक भक्तों हेतु अधिकाधिक बार दर्शन करने और परम भगवान के रूपों को और अधिक विस्तार से दर्शन करने हेतु एक महान अवसर के रूप में कार्य कर रहा है। नवीकरण भी कई भक्तों को अपने भगवान के लिए कमरों के निर्माण हेतु दान एवं योगदान करने का एक अवसर है। परम भगवान की नई वेदी के निर्माण में कोई भी योगदान करने हेतु, +91-9760072900 पर संपर्क करें।

✿ **श्रील भक्तिविनोद ठाकुर का तिरोभाव दिवस (28 जून)**

श्रील भक्तिविनोद ठाकुर को सप्तम गोस्वामी के रूप में भी जाना जाता है। आधुनिक भारत में वैष्णववाद के सिद्धांतों को पुनः स्थापित करने में उनका महत्वपूर्ण स्थान है। उनके साहित्य और श्री चैतन्य महाप्रभु के



of Vaishnavism in Modern India. His literature and unearthing the birthplace of Sri Chaitanya Mahaprabhu, spread the Vaishnava philosophy, far and wide. His disappearance was celebrated with kirtan, pushpanjali and feasting. Devotees offered their humble prayers at the lotus feet of the great acharya, to help them become focussed in spiritual life.

## ✿ Adventures of Book Distribution Team (ISKCON, Punjabi Bagh)

The sankirtan team is currently traveling in its sankirtan bus to different areas of Himachal Pradesh like Shahpur, McLeodGanj, Dharamshala, Kangra distributing transcendental literature to the residents and tourists there. The 9-member team goes out on the roads everyday meeting and interacting with hundreds of different people sharing the divine message and urging them to take the transcendental literature of Bhagavad Gita, Srimad Bhagavatam, etc. Each day brings new stories, new miracles, new experiences, and new realizations to the devotees and people through their engagements with the holy names and message of Krishna.

## ✿ Gundica Marjana (30th June)

Human birth is the only opportunity to purify one's self and be put back in his constitutional position of being a servant of the Lord. Shastras enumerate various ways of purification: chanting, service, hearing etc. Chaitanya Mahaprabhu exemplified cleansing of Gundica, as one of the processes of purification. In His pastimes, Gundica Marjana is considered to be primarily instructive for devotees. Performed annually, before Ratha Yatra, at Jagannatha Puri, this festival holds immense significance in Vaishnava tradition. Devotees got together to celebrate this festival on 30th June. The temple was scrubbed and cleaned amidst uproarious kirtan and noisy chatter of devotees. Elderly, young and children, all alike, took to the cleansing feast, which helped them to spend their day in blissful service.

जन्मस्थान का पता लगाने से वैष्णव दर्शन का दूर-दूर तक प्रसार हुआ है। उनके तिरोभाव का उत्सव कीर्तन, पुष्पांजलि और भोज प्रसादम के साथ मनाया गया। भक्तों ने आध्यात्मिक जीवन में ध्यान केंद्रित करने में सहायता करने हेतु महान आचार्य के चरण कमलों में अपनी विनम्र प्रार्थना की।

## ✿ पुस्तक वितरण दल के रोमांच (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

संकीर्तन दल वर्तमान में अपनी संकीर्तन बस में हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों जैसे शाहपुर, मैकलॉडगंज, धर्मशाला, कांगड़ा की यात्रा कर रहा है और वहाँ के निवासियों और पर्यटकों को दिव्य साहित्य वितरित कर रहा है। 9-सदस्यीय भक्तों के दल सड़कों पर प्रतिदिन सैकड़ों अलग-अलग लोगों के साथ मिलकर दिव्य संदेश साझा करते हैं और उनसे भगवद गीता, श्रीमद्भागवतम आदि के दिव्य साहित्य को लेने का आग्रह करते हैं। प्रत्येक दिन नई कहानियाँ, नए चमत्कार, नया अनुभव और नई उपलब्धि कराता है। कृष्ण के पवित्र नामों तथा संदेश के साथ उनके जुड़ाव के माध्यम से भक्तों एवं लोगों को जोड़ता है।

## ✿ गुंडिचा मंदिर मार्जन (30 जून)

मानव जन्म ही अपने आप को शुद्ध करने एवं भगवान का दास होने के अपने स्वाभाविक स्वरूप में स्थिति होने का एकमात्र अवसर है। शास्त्र ही शुद्धि की विभिन्न विधियों : जप, सेवा, श्रवण आदि की गणना करते हैं। चैतन्य महाप्रभु ने शुद्धिकरण की प्रक्रियाओं में से एक के रूप में गुंडिचा मार्जन का उदाहरण दिया था। उनकी लीलाओं में, गुंडिचा मार्जन को मुख्य रूप से भक्तों हेतु शिक्षाप्रद माना जाता है। जगन्नाथ पुरी में रथ यात्रा से पूर्व प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस उत्सव का वैष्णव परंपरा में अत्यधिक महत्व है। 30 जून को भक्तगण इस पर्व को मनाने हेतु एकत्रित हुए। कीर्तन और भक्तों के शोर-गुल के मध्य मंदिर की साफ-सफाई की गई। बुजुर्ग, युवा एवं बच्चे, सभी समान रूप से सफाई उत्सव में शामिल हुए, जिससे उन्हें अपना दिन आनंदमय सेवा में बिताने में सहायता मिली।



## Upcoming events:

### ✿ Ratha Yatra (1st July)

Lord Jagannatha is the Lord of the Universe. His mercy and compassion is what the creation sustains on. He is so magnanimous that He ventures out into the streets, in order to claim those who refuse to accept His presence or come to see Him. The Annual Ratha Yatra, is a reminder of the unlimited kindness of the Lord. It is celebrated with much zeal and fervour in Puri.

This year too, the Annual Ratha Yatra will be celebrated wholeheartedly. The siblings: Jagannatha, Baladeva and Subhadra, will be adorned on a chariot and will be taken around the campus of ISKCON, East of Kailash. Devotees will accompany Their Lordships, singing and chanting His holy names and dancing to the reverberating transcendental chants. The Yatra will be preceded by the Adivasa ceremony, conducted on June 30th. Bhoga will be offered to Their Lordships, at various points of the campus.



## आगामी कार्यक्रम

### ✿ रथ यात्रा (1 जुलाई)

भगवान जगन्नाथ जगत के स्वामी हैं। उनकी दया और करुणा ही है जिस पर सृष्टि टिकी है। वह इतने उदार हैं कि वह उन लोगों को भी दर्शन देने हेतु सड़कों पर उतर आते हैं जो उनकी उपस्थिति को ही स्वीकार करने से मना कर देते हैं या उनके दर्शनों को नहीं आ पाते हैं। वार्षिक रथ यात्रा, भगवान की इसी असीमित दया का स्मरण कराती है। पुरी में यह रथयात्रा उत्सव बहुत उमंग और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

इस वर्ष भी वार्षिक रथ यात्रा धूमधाम से मनाई जाएगी। भाई-जगन्नाथ, बलदेव और बहन सुभद्रा को रथ पर विराजमान किया जाएगा और इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश परिसर के चारों ओर ले जाया जाएगा। भक्तगण अपने भगवान के साथ चलेंगे और उनके पवित्र नामों का गायन एवं जप करेंगे और गूंजते दिव्य मंत्रों पर नृत्य करेंगे। यात्रा से पूर्व 30 जून को आदिवास समारोह आयोजित होगा। परिसर के विभिन्न स्थानों पर परम भगवान् को भोग अर्पित किया जाएगा।

✿ **Disappearance day of Srila Sanatana Goswami**  
(13th July)

Srila Sanatana Goswami, the foremost of the six Goswamis of Vrindavana, was personally instructed by Mahaprabhu, in the science of Krishna consciousness. His literature, prayers and philosophical insights, form the basis of Vaishnavism. He is remembered for expounding the principles of devotion, which serve as the foundation of bhakti, even today.

The disappearance of Srila Sanatana Goswami, will be celebrated with pushpanjali, kirtan and prayers.



✿ **First month of chaturmasya begins** (14th July)

Chaturmasya will begin from 14th July. In the first month, the vow of abstinence from consuming green leafy vegetables is observed.

✿ **Disappearance day of Srila Gopala Bhatta Goswami** (18th July)

The disappearance of Srila Gopala Bhatta Goswami will be celebrated with pushpanjali, kirtan and feast. Srila Gopala Bhatta Goswami is a dear associate of Mahaprabhu. Born in a family of Vaishnavas, Srila Gopala Bhatta is a principal acharya of the Gaudiya Vaishnava tradition. It was due to his devotion and intense love that Radha Raman appeared from a Shaligrama Shila, in order to accept service from His beloved Gopala Bhatta.

✿ **श्रील सनातन गोस्वामी का तिरोभाव दिवस** (13 जुलाई)

श्रील सनातन गोस्वामी, वृंदावन के छह गोस्वामीयों में सबसे प्रमुख, व्यक्तिगत रूप से कृष्ण भावनामृत के विज्ञान में स्वयं श्री चैतन्य महाप्रभु द्वारा निर्देशित थे। उनका साहित्य, प्रार्थनायें एवं दार्शनिक अंतर्दृष्टि वैष्णववाद के आधार हैं। उन्हें भक्ति के उन सिद्धांतों की व्याख्या करने हेतु स्मरण किया जाता है, जो आज भी भक्ति की नींव के रूप में कार्य करते हैं। श्रील सनातन गोस्वामी का तिरोभाव दिवस पुष्पांजलि, कीर्तन और प्रार्थना के साथ मनाया जाएगा।

✿ **चातुर्मास्य का प्रथम मास आरम्भ** (14 जुलाई)

14 जुलाई से चातुर्मास्य का आरम्भ होगा। इसके पहले महीने श्रावण मास में हरी पत्तेदार सब्जियों के सेवन से निग्रह का व्रत किया जाता है।

✿ **श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी का तिरोभाव दिवस** (18 जुलाई)

श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी का तिरोभाव दिवस पुष्पांजलि, कीर्तन और भोज प्रसादम के साथ मनाया जाएगा। श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी महाप्रभु के प्रिय पार्षद हैं। वैष्णवों के परिवार में जन्मे, श्रील गोपाल भट्ट गौड़ीय वैष्णव परंपरा के एक प्रमुख आचार्य हैं। यह उनकी भक्ति और गहन प्रेम के कारण ही था कि राधा रमण जी अपने प्रिय गोपाल भट्ट से सेवा स्वीकार करने हेतु एक शालिग्राम शिला से प्रकट हुए।



# GUNDICA MARJANA THE FESTIVAL OF CLEANSING THE HEART

**S**rila Prabhupada always emphasised the importance of cleanliness, and said that cleanliness is essential for making advancement in spiritual life: "Cleanliness is next to Godliness."

By cleaning the temple and the Lord's paraphernalia with love and devotion, one also begins the process of purification in one's own heart, thereby purifying oneself and becoming eligible to associate with Krishna, the purest of the pure. In the purport of Sri Caitanya Caritamṛta, Madhya-lila 12.135, Srila Prabhupada explains how Sri Caitanya Mahāprabhu taught us all by His own example how to keep the temple of the heart clean. Srila Prabhupada quotes his own Guru Maharaja, Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura, who commented on the cleaning of the Gundica temple in Puri by the Lord and His associates. He states that as the world leader, Sri Caitanya Mahāprabhu personally gave instructions on how to receive the Lord in one's cleaned and purified heart.

Gundica Mandir is located approximately three

kilometers away from Srimandir, which is the main temple of Lord Jagannatha in Sri Ksetra Puri Dhama, Odisha. Every year, Lord Jagannatha goes out on a grand chariot procession from His palatial home to His childhood home Vrindavana. Gundica Mandir represents Vrindavana, and to prepare for the Lord's arrival back home, the day before Ratha-yatra Sri Caitanya Mahāprabhu cleansed the temple along with hundreds of devotees. Following in the footsteps of Sri Caitanya Mahāprabhu, this cleaning of Gundica temple the day before Ratha-yatra has continued for over 500 years. This practice is known as Gundica Marjana or the cleansing of the Gundica temple.

The cleansing of the Gundica temple is compared to the cleansing of the heart. This process is called anartha-nivṛtti – cleansing oneself from unwanted desires within the heart. The dust, sticks, and stones the Lord and His associates cleaned out from the temple represent the various anarthas or unwanted desires within the heart. Some of these





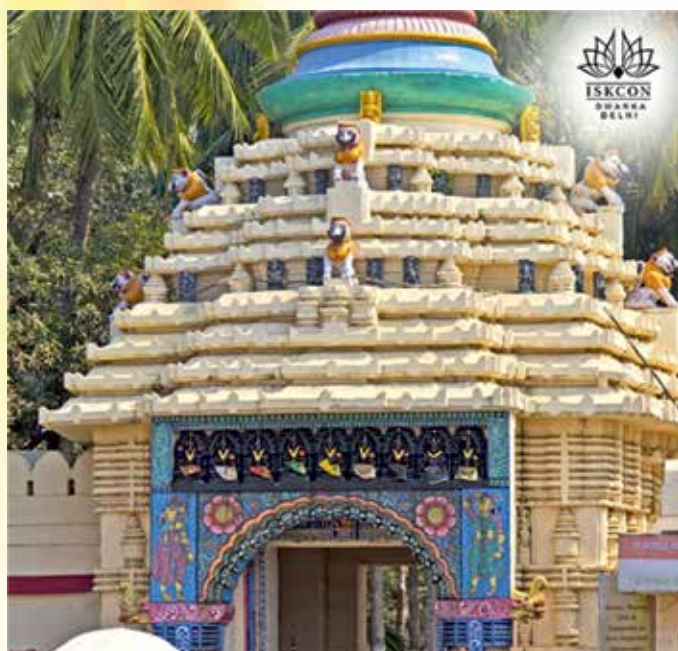


one treats the belongings of the Lord with care and devotion and attention to detail – just as Lord Caitanya demonstrated when he cleaned the Gundica temple – one automatically pleases the Lord.

Srila Prabhupada further writes in the purport to Sri Caitanya Caritamrta, Madhya-lila 12.135, "If one wants to see Krishna seated in his heart, he must first cleanse the heart, as prescribed by Sri Caitanya Mahaprabhu in His Siksastaka: ceto-darpana-Marjana. In this age, everyone's heart is especially

anarthas include offenses to the holy names, Vaisnava aparadha, and the desire to enjoy separately from the Lord, amongst other things. By the continuous and determined effort to chant the Lord's holy names without offenses, the dirt from within the heart can be cleaned.

Even seemingly menial work that is done for the Lord's pleasure helps to remove anarthas from the heart. For example, cleaning the Lord's paraphernalia, whether it be His dishes, cloth, temple floors, etc. helps to cleanse the heart. Because the Lord's paraphernalia is connected to Him and is non-different from Him when



unclean, as confirmed in Srimad-Bhagavatam: hrday antah-stho hy abhadrani. To wash away all dirty things accumulated within the heart, Sri Caitanya Mahaprabhu advised everyone to chant the Hare Krishna mantra. The first result will be that the heart is cleansed (ceto-darpana-Marjana).

Everything belongs to Krishna, and therefore by cleaning His temple and other paraphernalia one automatically begins cleaning his or her heart, which ultimately belongs to Krishna too. Krishna wants to reside in our hearts and therefore assists us in cleansing our hearts when we demonstrate through genuine chanting that this is what we desire. Once the heart is pure and clean, the Lord resides there and directs the jiva back home to finally be in His pure association.

# PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

## ISKCON, EAST OF KAILASH

**Chirag Delhi**-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi Chirag Delhi, New Delhi-110017  
Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885  
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**Okhla**- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village Okhla, Phase – I, New Delhi-110020  
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934  
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

**Kotla Mubarakpur**- Shri Omkareshwar Shiv Mandir (Panghat wala), Gurudwara Road Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003  
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999  
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**Khanpur**- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road (Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062  
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160  
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**Hari Nagar, Ashram**- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer Institute (Basement)  
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014  
Contact at: 9811281521, 011-26348371  
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**East Vinod Nagar**- E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091  
Contact at: 9810114041, 9958680942  
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

**Sriniwas Puri**-Sanatan Dharam Durga Mandir 1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri, New Delhi-110065  
Contact at: 9711120128, 9654537632  
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

**Sangam Vihar**- E-6/102, Near Mahavir Vatika Sangam Vihar, New Delhi-110080,  
Contact at: 9212495394, 9810438870  
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM  
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)  
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

**Boat Club**-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station, New Delhi -110001, Every Wednesday 1PM -2 PM  
Contact : 9560291770, 9717647134

**Panchsheel Enclave**-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave, New Delhi-110017

**Mayur Vihar**-Srivastava Angan Namahatta Center, 223-A Pkt. C ph.2 Mayur Vihar  
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM  
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

**Sarojini Nagar**-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park, Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023  
Every Monday 6 PM to 8 PM  
Contact : 9899694898, 9311694898

**Lodi Road**-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003  
Every Saturday 5 PM to 7 PM  
Contact : 9868236689, 8910894795

**R.K.Puram**-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram, New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM  
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

**Gole Market**-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market, New Delhi – 110001  
Every Saturday 5 PM to 7 PM  
Contact: 9560291770, 9717635883

**Sant Kanwar Ram Mandir**-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road, Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

**East of Kailash**-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

**East of Kailash**-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

## ISKCON, GURUGRAM

**RADHA KRISHNA MANDIR**-New Colony, Gurugram,  
Every Saturday-6:30 to 8:30PM  
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

**Rail Vihar Community Center**  
Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan,  
Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

**Katwaria Sarai** - F 117, Basement, Near well No 1, Katwaria Sarai New Delhi 110016. Contact: +91 75033 48819, Youth program - Every Friday 7.30 PM. Family program - Every Saturday 7.30 PM

**Ladosarai** - F-6, Hare Krishna wali Gali, Near Panchayat Bhawan, Ladosarai, New Delhi-110030. Contact No.: 7011003974, 9888815430, 9717600814. Youth Program: Tuesday 07:30 PM; Congregation Program: Sunday- 5:00 PM

**Mehrauli** - Opposite Agarwal Dharmashala, Mehta chowk, Ward no 8, Mehrauli , New Delhi 110030.  
Contact: 9711862441, 9911399960, 9810565805.  
Congregation Program: Every Saturday, 4-6 PM;  
Youth Program: Every Sunday, 4-5PM

**Chattarpur** - Nitin Niwas H. No. 133, Chattarpur, Near Tyagi Chaupal, Near Axis Bank ATM, South Delhi, 110074,  
Contact: 9910290149  
Program: Every Sunday 5.30PM To 7.30PM

**Aya Nagar 1**- Shiv Hansa Complex, Phase VI, G Block, Bandh Road, Opp Max Gain Shopping Centre, Aya Nagar.  
Contact: 9953891845,8860681843, Program: Every Sunday, 6 To 8 PM

**Aya Nagar 2**- Opp MCD School, Near Easy Day, Main Road, Aya Nagar, Delhi.  
Contact: 9899729858, 8368656274  
Program: Every Sunday 4 To 6 PM

**Malviya Nagar** - 90/77, Basement, Behind Malviya Hospital, Malviya Nagar.  
Contact No. 8097263066, Program: Every Saturday 6PM Onwards

**Khirk Extension** - JG-35, Near Krishna Temple, Inside Left Street, Khirk Extension.  
Contact No. +91 98911 27996  
Program: Every Sunday 5 PM Onwards

**Kishan Garh** - H.No.602, Ward No.3, Bhuiyan Chowk ,Gaushala Road Kishangarh,Vasant Kunj. Contact No- 8447358738  
Every Sunday, 3:00 PM onwards

**Sangam Vihar** - D-170, Gali no. 4, Hare Krishna Centre Barsana Dham, Nearby Sona Sweets, Sangam Vihar, New Delhi-110080.  
Contact number:- 8851286364, 8447042470, Every Saturday; 6:00 PM-8:00PM;  
Every Friday and Sunday; 5:30-7:00AM onwards

**East Of Kailash** - 194 FF Amritpuri Garhi, East of Kailash, Near MCD School, New Delhi-110065. Contact: 9811347826, 9990503548.  
Youth Program:- Saturday 7:00 PM

**Ber Sarai** - House number -2, Near Government Dispensary, BerSarai, New Delhi,  
Contact - 8882347935,7065835531  
Youth Program : Monday 7:00PM, Congregation Program : Saturday 4:00PM

**Vasant Kunj** - B100 (Basement), B Block, Mother Dairy, Vasant Kunj Enclave, New Delhi-110070. Contact No.: 8860246574, 8879005088.  
Every Sunday- 04:00 PM

**Saket** - C-109, Ground Floor, Near Mother Dairy, Paryavaran Complex, Saket, New Delhi-110030, Contact: 8287713680, 8130505488, 9667427986  
Youth Program: Saturday 07:00 PM; Congregation Program: Friday 07:00 PM

**Tigri Extension** - C-10 Hare Krishna Centre, Maha Shiv Shakti Mandir, Tigri Extension, New Delhi-110080. Contact: 8851286364, 9810433117  
Every Sunday, 11:00am - 1:00PM

**Ghitorni** - House no. 270, Balmiki choupal, Near Kali Mata Mandir, Ghitorni, New Delhi-110030, Contact No. -9975756916,7065835531  
Youth Program- Thursday-7:00PM

**Sultanpur** - 2nd floor,Waliya house,near Gurudwara, Sultanpur, Delhi 110030.  
Contact-9667478077. Youth program-Sunday 7:00 PM;  
Congregation Program-Friday 5:00 PM

**Prahlad Pur** - A-132, DDA Flats, Prahladpur New Delhi 110044  
Contact: 9999464382, 9650543321, Every Sunday 04:00 PM

**Paharganj** - 1st Floor, Radha Krishna Mandir, Near Jain Mandir, Mantola, Paharganj, Contact No. 9818188182; 9810224106  
Program: Every Saturday 7:00 To 8:00 PM

# Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vighraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666



## International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65

Web: [www.iskcondelhi.com](http://www.iskcondelhi.com) | Live Darshan: [live.iskcondelhi.com](http://live.iskcondelhi.com)

Facebook: [www.facebook.com/iskcondelhi](http://www.facebook.com/iskcondelhi), Contact: 011-41625804, 26235133

**ISKCON, Punjabi Bagh** - 41/77, Srila Prabhupada marg,  
West Punjabi Bagh, Delhi-26  
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

**ISKCON, Dwarka** - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075  
Web: [iskcondwarka.org](http://iskcondwarka.org), Facebook: [www.facebook.com/iskcon.dwarka/](http://www.facebook.com/iskcon.dwarka/)  
Contact: 9891240059, 8800223226

**ISKCON, Gurugram** - Sudarshan Dham, Main Sohna Road,  
Badshahpur, Gurugram  
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

**ISKCON, Faridabad** - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan,  
C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,  
Phone : 0129-4145231  
Email : [gopisvardas@gmail.com](mailto:gopisvardas@gmail.com)

**ISKCON, Bahadurgarh** - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh,  
Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799  
Email: [info@iskconbahadurgarh.com](mailto:info@iskconbahadurgarh.com)

**ISKCON, Rohini** - Plot No-3, Institutional Area, Main Road,  
Sector-25, Rohini New Delhi 110085  
Phone: +91-9871276969  
Email: [iskcon.rohini@gmail.com](mailto:iskcon.rohini@gmail.com)

**ISKCON Gurugram (Badshahpur)** - Sudarshan Dham,  
Gurgaon-Sohna Road, Badshahpur,  
Gurgaon (2.5kms from Vatika Business park), Gurugram, Haryana 122001  
Phone: +91-9250128799, Email: [info@iskconbahadurgarh.com](mailto:info@iskconbahadurgarh.com)

**ISKCON Ghaziabad** - 11, ISKCON CHOWK R, 35, Hare Krishna Marg,  
Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002  
Phone: 081309 92863, Email: [iskcon.ghaziabad@pamho.net](mailto:iskcon.ghaziabad@pamho.net)

**ISKCON Chhattarpur** - Village Near Shani Dham Mandir, Asola,  
Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074  
Phone: 099537 40668

**ISKCON Gurugram** - ISKCON, Plot No 0, Near Delhi Public School,  
Sector-45, Gurugram, Haryana-122003  
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342  
Email: [iskcongurugram.sec45@gmail.com](mailto:iskcongurugram.sec45@gmail.com)

**Sri Sri Radha-Vallabh Temple** - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat,  
Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006  
Phone: 098112 72600

**Sri Sri Radha Govind Dev Temple** - Opposite NTPC Office, A-5,  
Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar  
Pradesh-201301  
Phone: 095604 76959